>

Title: Regarding reported deaths caused by dog-bite in Salempur Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

श्री रमाशंकर राजभर (सलेमपुर): सभापति महोदय, हमारा संसदीय क्षेत्र जनपद देवरिया और जनपद बलिया गंगा, राप्ती, गोरी, घाघरा, गंडक नदियों का केन्द्र है। कुत्ता, बंदर और सियार के काटने से हो रही मौतों के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि हमारे संसदीय क्षेत्र में भाटपार विधान सभा के बनकटा थाना क्षेत्र में बोलिया पांडे, अहरौली, बघेल, गुड़वार, कोठा, दल्लन, छपरा और बहुलिया पांडे गांव में 14 लोगों को अभी दो महीने पहले कुत्ते ने काटा। उन 14 लोगों को इंजेक्शन भी लगा। 3-3 इंजेक्शन उन लोगों को लग चुके थे और चौथा इंजेक्शन लगने में तीन दिन बाकी थे जिसमें श्रीनिवास राजभर जो कक्षा 9 का छात्र था, उसकी मौत हो गई। विश्वकर्मा राजभर जो कक्षा 11 का छात्र था, उसकी भी मौत हो गई। जब मैंने अधिकारियों से बात की कि इनको आखिर इंजेक्शन भी तीन-तीन लग चुके थे, फिर भी ये लोग क्यों मर रहे हैं? 12 लोग जो आज बचे हुए हैं, उनके घर भी जैसे आफत आई हुई है और जैसे काल के मुहाने पर वे खड़े हुए हैं, मैं भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय से मांग करता हूं कि रेबीज के इंजेक्शन लगने के बाद भी ये जो मौतें हो रही हैं जिसके कारण लोगों में दहशत व्याप्त है और जब मैंने सीएमओ साहब से बात की तो उन्होंने कहा कि भारत में रेबीज का इंजेक्शन नहीं है। मुझे यह बताया गया कि यह इंजेक्शन केवल रोग रोधक क्षमता बढ़ाने के लिए लगाया जाता है। जब रोग रोधक क्षमता बढ़ जाएगी तब कुत्ते के काटने का असर नहीं होगा। अगर ऐसा है तो यह बिल्कुल निन्दनीय है। भारत सरकार को जल्दी से जल्दी ऐसे जानवरों के काटने से हो रही मौतों को रोकने की दवा खोजनी चाहिए और जो मेरे संसदीय क्षेत्र में 14 लोग काल के गाल में समाने के लिए मजबूर हो रहे हैं, उनकी जान बचाने के लिए उन दवाओं की जांच की जानी चाहिए और जीवन बचाने वाली अच्छी दवाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए। वे कैसे इंजेक्शन हैं जिनके लगने के बाद हमारे संसदीय क्षेत्र के लोग मर रहे हैं?

सभापति महोदय : कहीं वे दवाइयां एक्सपायर्ड तो नहीं हैं?

â€¦(व्यवधान)